SHRI RAM JETHMALANI: Sir, the Law Commission, in its 120th report, amongst its other suggestions, has incorporated this suggestion as well, that we should abolish this system of candidates contesting elections from more than one constituency. The Law Commission's report is under the active consideration of the Government. Sir, we will certainly consult all the political parties and bring forward a comprehensive electoral reforms Bill which is also a part of the pledge which we have made in the President's Address.

श्री मोहम्मद सलीम : सभापति महोदय, चाहे ये मंत्री हों, चाहे दूसरे मंत्री हों, उनकी रिस्पांसिबिलिटी कलेक्टिव होती है । आए दिन उनके स्टेटमेंट्स निकलते हैं, प्रॉमिसेज़ निकलते हैं । बाद में सदस्य यहां सवाल पूछते हैं, उसमे समय लगता है, पैसा लगता है और हमारी ऐनर्जी ने ऐसा स्टेटमेंट नहीं दिया । यह केवल इस पार्टिकुलर सवाल के बारे में नहीं है । पार्लियामेंट मे हम आएंगे, सप्लीमेंटरी होगा, उसके बाद यह रिप्लाई मिलेगा तो इससे अच्छा है कि जब इतने मंत्री है और इतने स्टेटमेंट्स आतें हैं, इतने प्रॉमिसेज किए जाते हैं तो क्यों नहीं आप ऐसा कोई डिपार्टमेंट खोल लें या किसी डिपार्टमेंट को जिम्मेदारी दे दी कि रोजाना वह मॉनिटर करे मीडिया को, न्यूजपेपर्स को और इलेक्ट्रानिक चैनल्स को और मंत्री लोगों का डिनायल अगले दिन निकल जाए कि सरकार ने इस सबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया है । अक्सर देखा जाता है कि एन.डी.ए. में फैसला नहीं हुआ, कैबिनेट में फैसला नहीं हुआ लेकिन मंत्री महोदय ने ऐलान कर दिया – कभी डिफेंसं रिलेटेड और कभी किसी दूसरे विषय से रिलेटेड । रोजाना ऐसे स्टेटमेंट्स आ रहें हैं और फिर प्रधानमंत्री जी को भी झमेले में पड़ना पड़ रहा है । नन मिनिस्टर्स भी है जो ऐसे ऐलान कर देतें हैं गवर्नमेंट पालिसी के । सभापति महोदय, परिवार बहुत बड़ा है । इसलिए आप परिवार के अंदर कहीं खंडन के लिए कोई ऐसा विभाग खोलेंगे जो रोज खोल दें खंडन कर दें ताकि दूसरे दिन हंगामा न हो, झमेला न हो और सवाल न उठें ?

MR. CHAIRMAN: It is a suggestion by the hon. Member that there should be a Minister for clarifications. It is for the Government to decide and not the hon. Minister.

Road Links to Buddhist Places in Uttar Pradesh

*326. SHRI RAJNATH SINGH 'SURYA': Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether some roads connecting Buddhist centres in U.P. are being constructed from external assistance;

(b) if so, whether the road between Faizabad and Allahabad is also covered in it;

(c) if so, whether it has been completed particularly between Sultanpur-Allahabad; and

(d) if not, when it is going to be completed?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJNATH SINGH); (a) No, Sir.

(b) to (d) Does not arise.

श्री राजनाथ सिंह "सूर्य" : सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने प्रश्न का उत्तर देते समय यह कहा है कि इसका प्रश्न नहीं उठता। क्या इस प्रकार का कोई प्रस्ताव नहीं है। सभापति महोदय, माननीय मंत्री जो को यह जानकारी अवश्य होगी कि उत्तर प्रदेश में सारनाथ से लेकर कोसीनगर-श्रावस्ती होते हुए लखनऊ तक एक बौद्ध परिपथ बना था जिसको जापानी सहायता से बनाया गया था। आज उसकी स्थिति बड़ी दयनीय है और उसका रख-रखाव ठीक प्रकार से नहीं हो रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में परिपथ को कौशाम्बी तक जोड़ने का प्रश्न उठा क्योंकि बौद्धकालीन इतिहास के हिसाब से कौशाम्बी भी एक महत्पूर्ण स्थान है। सभापति महोदय, जिस तरह से अंजता और एलोरा के लिए जापानी सहायता से प्रयत्न हो रहा है, क्या उस प्रकार का कोई प्रयास मंत्री जी करेंगे ताकि जो विदेशी सहायता जापान से बौद्ध परिपथ के रूप में या बौद्ध तीर्थस्थलों के विकास के रूप में उनको एक दूसरे से जोड़ने के बारे में प्राप्त हो रही है ... यह जो गौतम बुद्ध से जुड़े हुए महत्वपूर्ण स्थल है इनके विकास के लिए इनके मार्ग के निर्माण के लिए भी इनका उपयोग हो सके, इस प्रकार का कोई प्रयत्न करेंगे ?

श्री राजनाथ सिंह : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है उसमें यह जानना चाहा है तो कि बुद्धिष्ठ सेंटर को जोड़ने के लिए यदि कुछ सडकों का निर्माण हो रहा है तो क्या किसी शहरी सहायता के द्वारा उसका निर्माण हो रहा है या नहीं तथा ऐट प्रजेंट उन्होनें जानना चाहा है कि वर्तमान स्थिति क्या है। इसलिए मैने कहा कि यह प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि इस समय बुद्धिष्ठ सेटर को जोड़ने के लिए विदेशी सहायता से किसी सड़क का निर्माण नही हो रहा है। यह सच है कि 1988 में ओ.ई.सी.एफ. के साथ एक रोड एग्रीमेंट हुआ था और जितने भी नेशनल हाईवेज लिए गए थे. जितनी भी रोड ली गई थी वह सारी रोड दिसम्ब्र, 98 में कंपलीट हो चुकी है। यदि माननीय सदस्य जानना चाहेंगे कि तो मैं यह बतला सकता हूं कि कौन-कौन से नेशनल हाईवेज का कंस्ट्रक्शन बजट एलोकेशन के द्वारा बजट एलोकेशन जो डिपार्टमेंट से होता है उसके फंड के द्वारा और ओ.ई.सी.एफ. के द्वारा निर्मित हुई है। लेकिन जिस पथ के निर्माण के बारे में माननीय सदस्य ने कहा है, श्रीमन् बुद्धिष्ठ सेंटर के डेवलपमेंट का काम टूरिस्ट

डिपार्टमेंट करता हैं । सरफेज डिपार्टमेंट नहीं करता है, यह मैनें माननीय सदस्य की जानकारी में लाना चाहता हूं ।

श्री राजनाथ सिंह "सूर्य" मान्यवर, मंत्री जी ने जैसा यह कहा है कि अभी इस समय इस प्रकार का कोई प्रस्ताव नही है इसका उन्होनें उत्तर दिया है और यह भी कहा है कि टूरिस्ट स्पॉट को जोड़ने का काम पर्यटन मंत्रालय करता है । परन्तु जहां तक मेरा अपना विचार है जो सड़कों का निर्माण का कार्य है वह तो संभवतः सरफेस ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ही करता होगा । क्या माननीय मंत्री जी पर्यटन मंत्रालय का इस कार्य में सहयोग प्राप्त करेंगे, उनके सुझाव प्राप्त करेगे और यह जो स्थान, जिसका मैने सुझाव दिया, अगर भविष्य में कोई योजना आती है उसके साथ इसको जोड़ने पर विचार करेंगे ?

श्री राजनाथ सिंह : श्रीमन् निश्चित रूप से हम चाहेंगे कि जो हमारे देश के बुद्धिष्ठ सेंटर है, उन बुद्धिष्ठ सेंटर का विकास हो, वहां पर जितना अधिक इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट हो सकता है, वह भी हो । श्रीमन् माननीय सदस्य ने यह भी जानना चाहा है कि सुलतानपुर-इलाहाबाद रोड का मार्ग का ही एक हिस्सा है जो नेशनल हाईवे के अंतर्गत नही आता है वह स्टेट हाईवे के अंतग्रत आता है इसलिए गवन्नमेंट ही उस रोड के कंस्ट्रक्शन के लिए रेस्पांसिबिल है ।

प्रो, रामगोपाल यादव : श्रीमन् यह सच है कि जो प्रश्न है वह राज्य के पी.डब्लयू डी विभाग और परिवहन मंत्रालय से संबधित है । लेकिन माननीय मंत्री जी ने प्रशन के जवाब में जो बुद्धिष्ठ सेंटर के इंफ्रारस्नकरल और अन्य डलवपमेंट कार्यो की बात की है, इस संदर्भ में मैं यह जानना चाहूंगा कि उत्त्र प्रदेश् के फरूखाबाद जनपद में एक संघिसा नाम की जगह है जो बहुत ही प्रोमिनेंट बुद्धिष्ठ सेंटर है और किसी भी सरकार ने अभी तक उसकी तरफ ध्यानी नहीं दिया है जबकि इंडोनेसिया से, बर्मा से, तिब्बत से और स्वंय हिन्दूस्तान के तमाम हिस्सों से लाखों की तादाद में लोग हर वर्ष वहां जाते हैं । वहां तक जाने के लिए अभी सही तरीके से ऐसी सड़कें भी नहीं है, जिन पर वर्ष वहां जातें हैं । वहां तक जाने के लिए अभी सही तरीके से ऐसी सडकें भी नहीं है, जिन पर ठीक तरह से लोग अपनी छोटी-छोटी गाडियों को ले जा सकें । मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस सेंटर के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार को इस तरह का, निर्देश देने की तो मैं बात नहीं करूंगा, लेकिन यह सुझाव दूंगा कि सरकार संघिसा जाने के लिए सड़क को बनाने का कोई कार्य करें यह कोई इंफ्रास्ट्रक्चरल सुविधाएं जो टूरिस्ट के लिए जरूरी होती है, उनकी व्यवस्था करें ।

श्री राजनाथ सिंह : सभापति महोदय, मानीनय सदस्य प्रो. रामगोपाल जी ने संकिशा बौद्ध सेंटर की बात कही है । उन्होनें यह कहा है कि लाखों की संख्या में फॉरेन टूरिस्ट वहां पर आतें हैं । वहां पर फॉरेन के टूरिस्ट लाखों की संख्या में नहीं आते हैं, दोनों को मिलाकर हो जातें होंगे । फॉरेन टूरिस्ट की संख्या अनुमानतः दो हजार, ढाई हजार, तीन हजार तक होती है, जो उस

सेंटर पर आतें हैं। लेकिन यह एक बहुत महत्पूर्ण बौद्ध सेंटर है, इसे मैं मानता हूं और निश्चित रूप से वहां के विकास के संबंध में मैं राज्य सरकार को लिखुंगा ।

श्री दारा सिंह चौहान : सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि कुशीनगर से लेकर के सारनाथ तक जो रोड पथ हैं वह बहुत ही महत्वपूर्ण है और उसकी दूरी लगभग 260 किलोमीटर है और गोरखपुर से लेकर के आज़मगढ़ तक की दूरी लगभग 100 किलोमीटर है । यह रोड बहुत खराब है । कुछ दिन पहले ही यह बनी थी । लेकिन इस समय आप जाकर देखेंगे तो उस रास्ते की हालत बहुत ही जर्जर है । मैं जानना चाहता हूं कि आखिर इसका कारण क्या है ? इतनी जल्दी यह सड़कें खराब क्यों हो गई है ? यह बहुत ही महत्वपूर्ण सड़क हैं ।कुशीगनर से लेकर सारनाथ तक बहुत ही महत्वपूर्ण बौद्ध-स्थल है और गोरखपुर से लेकर आजमगढ़ तक जो सड़क जाती है वह भी बहुत खराब है । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या इन सड़कों को ठीक से बनवाने के लिए उनका विभाग कोई कदम शीघ्र उठायेगा ?

श्री राजनाथ सिंह : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जिन रोड्स की तरफ ध्या आकर्षित किया है, उन रोड्स के बारे में मैं जानकारी प्ारप्त करूंगा कि क्या वह नेशनल हाईवे की रोड्स है अथवा नहीं । यदि नेशनल हाईवे की वह रोड्स होंगी तो निश्चित रूप से उन रोड्स के निर्माण की व्यवस्था की जाएगी । लेकिन यदि स्टेट हाईवे की वह रोड्स होंगी, चूंकि मैं उत्तर प्रदेश से आता हूं इसलिए मैं उत्तर-प्रदेश सरकार को लिखूंगा कि शीघ्र अति शीघ्र उन खराब सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करवाये ।

MISS SAROJ KHAPARDE: Sir, I would like to know from the hon. Minister as to what is the progress of the ongoing road construction project of the Central Government in Maharashtra.

SHRI RAJNATH SINGH: Sir, this question does not relate to the original question.

श्री गांधी आजाद : सभापति महोदय. बौद्ध स्थल इलाहाबाद, कुशीनगर और सारनाथ में है । इलाहाबाद और कुशीनगर के बीच में आज़मगढ़ स्थित है । यहां की सड़कें बहुत खराब हैं । मंत्री महोदय के जवाब में लिखा है कि विदेशी सहायता से किसी सड़क का निर्माण कार्य नहीं हो रहा है । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या देशी सहायता से इस सड़क का निर्माण कार्य करने की आपकी कोई योजना है ?

श्री राजनाथ सिंह : सभापति महोदय, माननीय सदस्य के इस सुझाव का मैनें संज्ञान लिया है । मै इसको देंखूंगा लेकिन यदि वहां की सड़कों की हालत बदतर है तो यह आवश्यक नहीं है कि उसका विदेशी सहायाता से ही निर्माण कार्य हो । जो बजट एलोकेशन डिपार्टमेंट का होता है, बजट के फंड के द्वारा ही उसका निर्माण करा सकते हैं ।

श्री संघ प्रिय गौतम :सभापति जी, अभी थोड़ी देर पहले पर्यटक मंत्री महोदय ने प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह कहा था कि हमारे अपने कोई हाथ-पैर नहीं है, हम तो सड़क मंत्रालय, वायु मंत्रालय और रेल मंत्रालय की और देखते हैं ।...

सभापति : आप अपना सवाल कीजिए नहीं तो समय खत्म हो जाएगा ।

श्री संघ प्रिय गौतम : सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश के और बिहार के जितने बौद्ध तीर्थ-स्थल है वहां पर सबसे ज्यादा तीर्थ-यात्री पर्यटक विश्वभर से आतें हैं । अगर हिन्दू, मुस्लिम, सिख ईसाई, पारसी, जैन,बौद्ध का हिसाब लगाया जाय तो बहुत लोग वहां पर आतें हैं और उन्हीं से ज्यादा आमदनी होती है । इसीलिए इन पर्यटक-स्थलों विकास करने के लिए सड़कों को बनाया जाना बहुत आवश्यक है । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वे इस दिशा में क्या कदम उठायेंगे ।

श्री राजनाथ सिंह : सभापति महोदय, माननीय सदस्य के सुझाव से मैं सहमत हूं । उन मार्गों का निर्माण निश्चित रूप से होना चाहिए । जैसा माननीय सदस्य ने कहा है कि टूरिस्ट डिपार्टमेंट के पास अपने हाथ-पैर, आंख, कान नहीं है, वे दूसरों की ओर देखते हैं तो महोदय, मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो भी मेरी ओर देखेगा, मैं उसको निराश नहीं करूंगा ।

MR CHAIRMAN: Question Hour is oyer.

WRITTEN ANSWERS T0^ STARRED QUESTIONS

Settlement of Sardar Sarovar Narmada Dam Issue

*327. SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Hon'ble Prime Minister had announced in Gujarat that the "SARDAR SAROVAR NARMADA DAM" issue will be resolved soon after the Elections, the way he had resolved "Cauvery Water dispute"; and

(b) if so, the initiative taken/proposed to be taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (DR. C.P.THAKUR): (a) and (b) The Government is taking all necessary steps to resolve the issues and remove the bottlenecks in smooth implementation of Sardar Sarovar Project. The Project has also been included for Central Loan Assistance under the Accelerated Irriga-